आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
गुरुवार 27.08.2026
समय 1830

मुख्य समाचार :–

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा– सरकार 21वीं सदी के भारत के लिए आधुनिक खेल व्यवस्था तैयार करने को प्रतिबद्ध।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चम्पावत में 62 करोड़ 97 लाख रुपये की 50 विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।
- मुख्यमंत्री चैंपियनशिप ट्रॉफी में इस वर्ष खिलाड़ियों के पंजीकरण ने बनाया नया रिकॉर्ड। अब तक 2 लाख 35 हजार से अधिक खिलाड़ियों ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया।
- पौड़ी जिले में स्थानीय महिलाओं द्वारा पीरूल और पहाड़ी सामग्री से तैयार राखियों ने बाजार में बनाई खास पहचान।

प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि सरकार, 21वीं सदी के भारत के लिए आधुनिक खेल व्यवस्था तैयार करने को प्रतिबद्ध है। श्री मोदी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से खेलो इंडिया संवाद कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि खेल विश्वविद्यालयों से लेकर आधुनिक प्रशिक्षण केंद्रों तक, देशभर में ऐसा खेल ढांचा विकसित किया जा रहा है, जिसमें खिलाड़ियों की प्रतिभा को हर स्तर पर सहयोग मिले।
प्रधानमंत्री ने कहा कि खेलों से जीवन बदलता है और देश का गौरव बढ़ता है।

खेलो इंडिया संवाद

प्रदेश के विभिन्न जिलों में खेलो इंडिया संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। चम्पावत जिले के दूरस्थ क्षेत्र धुरा गांव में आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, खिलाड़ियों, छात्रों और खेल प्रशिक्षकों ने प्रधानमंत्री के विचार सुने। इस अवसर पर केंदीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग राज्यमंत्री अजय टम्टा ने कहा कि 'खेलो इंडिया' केवल एक अभियान नहीं, बल्कि भारत के युवाओं को खेल, स्वास्थ्य और उत्कृष्टता की ओर ले जाने का संकल्प है।
वहीं, बागेश्वर के एसएसजे परिसर में आयोजित खेलो इंडिया संवाद कार्यक्रम में खिलाड़ियों और युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। अंतरराष्ट्रीय ताइक्वांडो खिलाड़ी महेंद्र परिहार ने प्रधानमंत्री के संवाद को युवाओं और खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायक बताया।

सीमा दर्शन कार्यक्रम

केंद्र सरकार की पहल पर चमोली जिले के नीति–माणा क्षेत्र में सीमा दर्शन कार्यक्रम के तहत नीति–पास बॉर्डर पहुंचे 15 सदस्यीय आध्यात्मिक तीर्थाटन दल ने सेना के जवानों से मुलाकात की। इस दौरान नीति घाटी की महिलाओं ने जवानों की कलाई पर राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र, सुरक्षित सेवा और देश की रक्षा में सफलता की कामना की। बॉर्डर पोस्ट पर भारत माता के जयकारों से माहौल गूंज उठा। महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में झुमैलो और चांचरी लोकगीतों पर नृत्य प्रस्तुत कर सीमांत संस्कृति की झलक भी पेश की। स्थानीय लोगों ने सीमा दर्शन कार्यक्रम को सीमांत क्षेत्रों में पर्यटन, संस्कृति संरक्षण और रोजगार को बढ़ावा देने वाली पहल बताया।

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज चंपावत के धूरा रामलीला मैदान में 'मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव–2026' में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने जिले के सर्वांगीण विकास के लिए 62 करोड़ 97 लाख रुपये की 50 विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। साथ ही क्षेत्र के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार मातृशक्ति को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों के स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के लिए 'वोकल फॉर लोकल', 'हाउस ऑफ हिमालयाज' और 'हिलांस' जैसे माध्यमों को बढ़ावा दिया जा रहा है, ताकि महिलाएं रोजगार तलाशने वाली नहीं, बल्कि रोजगार देने वाली बनें। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर मातृशक्ति से परिवार, गांव और समाज मजबूत होगा और विकसित उत्तराखंड का लक्ष्य साकार होगा।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने मातृशक्ति से रक्षा सूत्र बंधवाकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं भी दीं।

पंजीकरण रिकॉर्ड

मुख्यमंत्री चैंपियनशिप ट्रॉफी में इस वर्ष खिलाड़ियों के पंजीकरण ने नया रिकॉर्ड बनाया है। अब तक 2 लाख 35 हजार से अधिक खिलाड़ी ऑनलाइन पंजीकरण करा चुके हैं, जबकि पंजीकरण की अंतिम तिथि 31 अगस्त है। पिछले वर्ष करीब एक लाख 62 हजार खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया था। प्रतियोगिता की तैयारियों को लेकर खेल मंत्री रेखा आर्या ने आज सचिवालय से सभी जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक कर प्रतियोगिता की सभी व्यवस्थाएं समय से पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने हर ब्लॉक से कम से कम 2 हजार खिलाड़ियों का पंजीकरण कराने का लक्ष्य रखने और आयोजन के लिए जिला योजना से बजट बढ़ाने के निर्देश दिए, ताकि खिलाड़ियों के रहने और भोजन समेत अन्य व्यवस्थाएं बेहतर तरीके से की जा सकें।

बाजार रौनक

रक्षाबंधन के पर्व को लेकर पौड़ी के साथ ही ग्रामीण बाजार भी रंग–बिरंगी राखियों से सजे हैं। इस बार स्थानीय महिलाओं द्वारा पीरूल, धागों और अन्य पहाड़ी सामग्री से तैयार हस्तनिर्मित राखियां लोगों को आकर्षित कर रही हैं। इनकी बढ़ती मांग से महिलाओं को घर बैठे आय का नया अवसर मिल रहा है। हिमोत्थान के सहयोग से एनआरएलएम के माध्यम से महिलाओं को प्रशिक्षण और बाजार से जोड़ने का काम किया जा रहा है।